MEC 205

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2026-27
जुलाई 2026 और जनवरी 2027 प्रवेश चक्र के लिए

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी 205
पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय आर्थिक नीति

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली– 110068

एमईसी 205
भारतीय आर्थिक नीति
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(2026–27)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीएईसीएच के लिए कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको अर्थशास्त्र (MEC 205) में इस के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसमें 100 अंक होते है।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टी एम ए को आपको विभिन्न श्रेणियों के सवालों के ज़वाब देने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तर को व्यस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि है :

31 मार्च 2027 **जून 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

30 सितंबर 2027 **दिसंबर 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

एमईसी 205 : भारतीय आर्थिक नीति
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमईसी 205
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2026-27
कुल अंक : 100

भाग-1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होता है। 2x20=40 अंक

1) भारत में गरीबी में कमी के रुझानों का परीक्षण कीजिए। उच्च आर्थिक वृद्धि के बावजूद गरीबी क्यों बनी हुई है?

2) भारतीय अर्थव्यवस्था के कृषि क्षेत्र से सेवा क्षेत्र की ओर हुए संरचनात्मक परिवर्तन का विश्लेषण कीजिए। क्या यह परिवर्तन समावेशी रहा है?

भाग-2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होता है। 5x12=60 अंक

3) इक्कीसवीं सदी में भारतीय कृषि के समक्ष उपस्थित प्रमुख चुनौतियों का परीक्षण कीजिए तथा उनके समाधान हेतु उपयुक्त नीतिगत उपाय सुझाइए।

4) भारत में रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

5) तीव्र औद्योगीकरण एवं नगरीकरण के संदर्भ में भारत में सतत विकास (Sustainable Development) की चुनौतियों का विश्लेषण कीजिए।

6) आर्थिक उदारीकरण के बाद भारत की विदेश व्यापार नीति (Foreign Trade Policy) का परीक्षण कीजिए।

7) भारत की भावी आर्थिक विकास संभावनाओं में जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend) की भूमिका का परीक्षण कीजिए।